Date: 29.05.2023	**Publication:** Dainik Jagran
Page no: 7	**Edition:** New Delhi
Headline : Insurance easy: will be able to buy cheap policy, claim settlement will be easy	

बीमा सुगम : खरीद सकेंगे सस्ती पॉलिसी, दावा निपटान होगा आसान

बीमा पॉलिसी की बिक्री और नवीनीकरण समेत कई सेवाओं के लिए वन-स्टॉप मंच के रूप में करेगा काम

कालीचरण

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिए जल्द ही एक ऑनलाइन मंच 'बीमा सुगम' शुरू करने वाला है। इस पर तेजी से काम चल रहा है। यह बीमा पॉलिसी की बिक्री और नवीनीकरण समेत कई सेवाओं के लिए वन-स्टॉप मंच के रूप में काम करेगा। इसकी मदद से न सिर्फ आप कम प्रीमियम पर पॉलिसी खरीद सकेंगे बल्कि दावों का निपटान भी आसान हो जाएगा।

इरडाई चेयरमैन देबाशीष पांडा ने कहा, बीमा सुगम से बीमा उद्योग में यूपीआई जैसी क्रांति आ जाएगी। यह शॉपिंग मॉल की तरह होगा। इसके जरिये आप अपनी पसंद की पॉलिसी का चुनाव कर सकते हैं। बीमा नियामक एक अगस्त, 2023 से बीमा सुगम सुविधा की शुरुआत कर सकता है।

एक अगस्त, 2023 को पोर्टल लॉन्च कर सकता है इरडाई

क्या है बीमा सुगम

यह एक प्रकार का ई-कॉमर्स मंच है। इस डायरेक्ट-टू-कस्टमर (डी2सी) मंच पर बीमा कंपनियां अपने उत्पाद बेच सकेंगी। इस पर पॉलिसी खरीदने, नवीनीकरण कराने, दावा निपटान और एजेंट पोर्टेबिलिटी सहित सभी तरह की सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस मंच पर पॉलिसी खरीदने पर उसकी सॉफ्ट कॉपी इलेक्ट्रॉनिक इंश्योरेंस अकाउंट के जरिये ग्राहक तक पहुंच जाएगी। खास बात है कि पॉलिसी से जुड़ी सभी जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध होने से दावा निपटान अनुभव में भी सुधार होगा।

केवाईसी जरूरी, पर गोपनीय रहेगी जानकारी

बीमा सुगम का लाभ लेने के लिए केवाईसी की जरूरत पड़ेगी। आप जैसे ही इस मंच पर जाएंगे, आपसे आधार नंबर मांगा जाएगा। इसके जरिये ही केवाईसी पूरी की जाएगी। इस मंच पर आपकी (ग्राहकों) की गोपनीयता का पूरा खयाल रखा जाएगा। उनकी निजी जानकारी पूरा रखी जाएगी।

ये सुविधाएं मंच को बनाती हैं खास...

- **बीमा की खरीद घटेगी :** अभी बीमा ब्रोकर 30-40 फीसदी तक कमीशन लेते हैं। बीमा सुगम के जरिये पॉलिसी खरीदने पर ब्रोकर सिर्फ 5-8 फीसदी तक कमीशन ले पाएंगे। इससे प्रीमियम राशि में बड़ी गिरावट आएगी।
- **शिकायतों का जल्द समाधान :** मंच पर पॉलिसीधारकों के अलावा एजेंट, वेब एग्रीगेटर और अन्य इंश्योरेंस बिचौलिये होंगे। इससे बीमा कंपनियां शिकायतों का जल्द समाधान कर पाएंगी।
- **एक क्लिक पर दावा निपटान :** पॉलिसी की जानकारियां ऑनलाइन उपलब्ध होने से सिर्फ एक क्लिक में दावे का निपटान हो जाएगा। किसी दस्तावेज की भी जरूरत नहीं होगी।

पॉलिसीधारकों का बढ़ेगा भरोसा : पोर्टल से बीमा उत्पादों तक पहुंच आसान हो जाएगी। इससे न सिर्फ दावा निपटान से बीमा पॉलिसी से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आएगी, बल्कि पॉलिसीधारकों का भी उद्योग पर भरोसा बढ़ेगा। **-तपन सिंघल एमडी-सीईओ, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस**